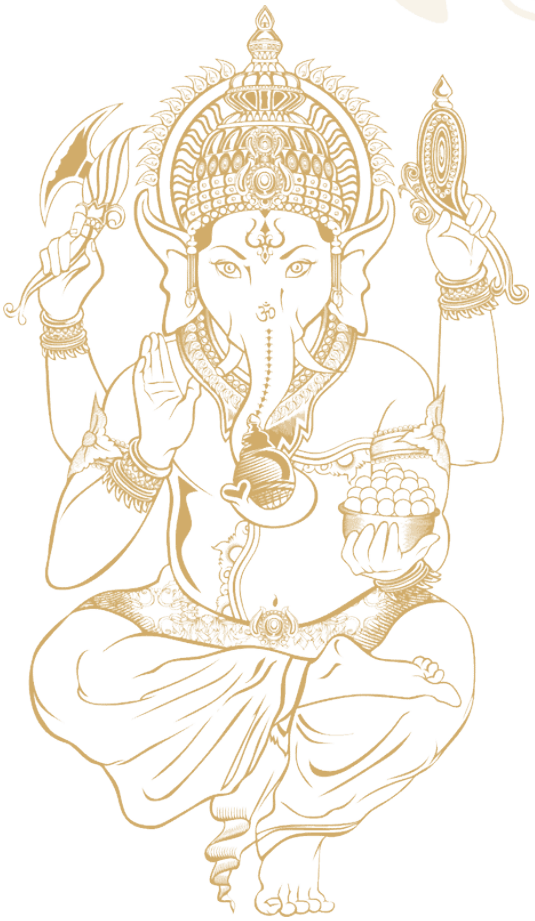

Satyam

20 Feb 2004

11:45 PM

Gonda

Model: web-freekundliweb

Order No: 121684604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/02/2004**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**23:45:00 घंटे**
इष्ट	42:53:24 घटी
स्थान	**Gonda**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:08:00 उत्तर
रेखांश	81:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:02:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:42:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:51 घंटे
साम्पातिक काल	09:42:59 घंटे
सूर्योदय	06:35:38 घंटे
सूर्यास्त	17:56:36 घंटे
दिनमान	11:20:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	07:32:05 कुम्भ
लग्न के अंश	25:01:03 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शिव
करण	किंस्तुघ्न
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सा-सात्विक
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	25:01:03	309:58:34	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			कुंभ	07:32:05	01:00:30	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	12:18:21	13:44:13	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			मेष	17:08:45	00:38:24	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
बुध		अ	मक	27:47:39	01:41:50	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	सम राशि
गुरु	व		सिंह	21:39:02	00:07:25	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मीन	20:12:32	01:09:18	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि	व		मिथु	12:36:35	00:01:46	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मेष	20:08:15	00:11:46	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	20:08:15	00:11:46	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	08:47:48	00:03:28	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	19:38:42	00:02:12	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	28:02:08	00:01:05	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			कर्क	29:30:09	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:43

लग्न-चलित

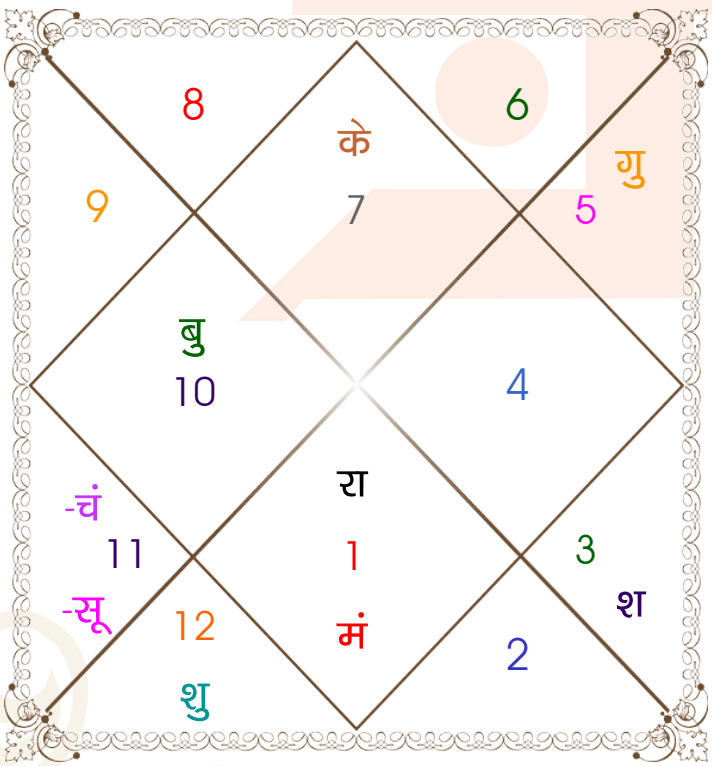

चन्द्र कुंडली

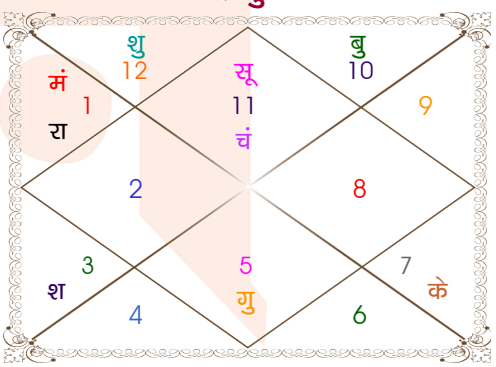

नवमांश कुंडली

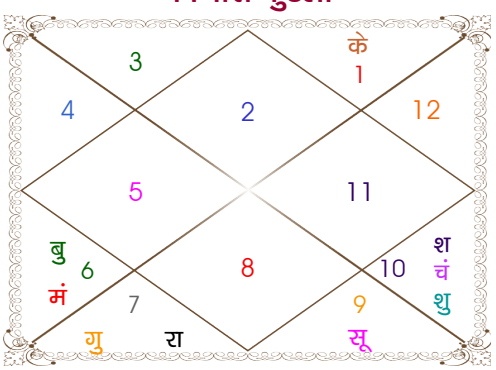

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 10 वर्ष 4 मास 19 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
20/02/2004		11/07/2014		11/07/2030		11/07/2049		11/07/2066	
11/07/2014		11/07/2030		11/07/2049		11/07/2066		11/07/2073	
	00/00/0000	गुरु	29/08/2016	शनि	14/07/2033	बुध	08/12/2051	केतु	08/12/2066
	20/02/2004	शनि	12/03/2019	बुध	23/03/2036	केतु	04/12/2052	शुक्र	07/02/2068
शनि	23/06/2004	बुध	17/06/2021	केतु	02/05/2037	शुक्र	05/10/2055	सूर्य	13/06/2068
बुध	10/01/2007	केतु	24/05/2022	शुक्र	02/07/2040	सूर्य	10/08/2056	चंद्र	13/01/2069
केतु	29/01/2008	शुक्र	22/01/2025	सूर्य	14/06/2041	चंद्र	10/01/2058	मंगल	11/06/2069
शुक्र	28/01/2011	सूर्य	10/11/2025	चंद्र	13/01/2043	मंगल	07/01/2059	राहु	29/06/2070
सूर्य	23/12/2011	चंद्र	12/03/2027	मंगल	22/02/2044	राहु	26/07/2061	गुरु	05/06/2071
चंद्र	23/06/2013	मंगल	16/02/2028	राहु	29/12/2046	गुरु	01/11/2063	शनि	14/07/2072
मंगल	11/07/2014	राहु	11/07/2030	गुरु	11/07/2049	शनि	11/07/2066	बुध	11/07/2073

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
11/07/2073		11/07/2093		12/07/2099		12/07/2109		12/07/2116	
11/07/2093		12/07/2099		12/07/2109		12/07/2116		00/00/0000	
शुक्र	10/11/2076	सूर्य	29/10/2093	चंद्र	12/05/2100	मंगल	08/12/2109	राहु	25/03/2119
सूर्य	10/11/2077	चंद्र	29/04/2094	मंगल	11/12/2100	राहु	27/12/2110	गुरु	18/08/2121
चंद्र	12/07/2079	मंगल	04/09/2094	राहु	12/06/2102	गुरु	03/12/2111	शनि	21/02/2124
मंगल	10/09/2080	राहु	30/07/2095	गुरु	12/10/2103	शनि	11/01/2113		00/00/0000
राहु	11/09/2083	गुरु	17/05/2096	शनि	12/05/2105	बुध	08/01/2114		00/00/0000
गुरु	12/05/2086	शनि	29/04/2097	बुध	12/10/2106	केतु	06/06/2114		00/00/0000
शनि	11/07/2089	बुध	06/03/2098	केतु	13/05/2107	शुक्र	06/08/2115		00/00/0000
बुध	11/05/2092	केतु	11/07/2098	शुक्र	11/01/2109	सूर्य	12/12/2115		00/00/0000
केतु	11/07/2093	शुक्र	12/07/2099	सूर्य	12/07/2109	चंद्र	12/07/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 10 वर्ष 5 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।